संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -285 गुरूवार ,15 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8+8 मूल्य 4 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार भरी बरसात में आशियाना उजाड़ दिए...पर इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का छयालीसवां दिन

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है... ?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं... ?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी... ?

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी,दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार ?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड... ?

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...
जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रेमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...प्रशासनिक अत्याचार झेलने के बावजूद है जारी।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

यह कैसी स्वतंत्रता...जब सच लिखकर अपना ही घर कार्यालय तुड़वाना पड़े... ?

मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...पर छप रही कमियों से छुपकर... अखबार के प्रतिष्ठान को जमीदोज करा दिया...फिर उन्हें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण का मुख्य अतिथि बनाया गया है... ?

-रवि सिंह-

अंबिकापुर,14 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। भारत को आजाद हुए 77 वर्ष हो गए...हम क्या...पूरा देश इस बात को मानता है...कि हमारे देश में जितनी स्वतंत्रता है...उतनी कहीं नहीं है...लेकिन आज के समय व परिवेश में यदि स्वतंत्रता की बात की जाए अभिव्यक्ति की आजादी की बात की जाए तो क्या...जितनी स्वतंत्रता एक व्यक्ति को आजादी के पूर्व में थी...क्या आज उतनी है...या उससे ज्यादा है...? क्या पत्रकारिता को इतनी आजादी है जो पूर्व में थी। आज यह सब सवाल इसलिए उत्पन्न होते हैं क्योंकि ऐसे कई उदाहरण है जो प्रेस की स्वतंत्रता व्यक्तिगत स्वतंत्रता व अभिव्यक्ति की आजादी पर यह सवाल उठाते हैं कि क्या आज सही मायने में स्वतंत्रता है...लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी यदि पत्रकारिता की व्यवस्था की बात की जाए तो आज के समय में चाटुकारता ही स्वतंत्रता है... सच्चाई की स्वतंत्रता पर प्राणघातक हमला है। यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाले लोकतंत्र के चौथे स्तंभ जिसे पत्रकारिता कहा जाता है वह काफी मुश्किल दौर से गुजर रहा है। हाल ही में छत्तीसगढ़ की नई नवेली सरकार ने सच लिखने वाले एक दैनिक अखबार घटती-घटना के संस्थान को इसलिए बुलडोजर चलाकर नेस्तनाबूत कर दिया क्योंकि वह सच के साथ सरकार को व उनके लोगों को कमियां दिखा रहा था जो बर्दाश्त नहीं कर पाए,सत्ताधारी लोग और नेस्तनाबूत करने के लिए मैदान में उतर गए फिर यह सवाल आता है कि क्या देशभक्ति 15 अगस्त व 26 जनवरी को ही दिखती है उसके बाद जो चाहे वह करो क्या ऐसी ही स्थिति हमारे देश में उत्पन्न हो रही है? 15 अगस्त 26 जनवरी को राष्ट्रीय

कार्यक्रम के तौर पर देखा जाता है नेता मुख्य अतिथि बन कर बड़े-बड़े भाषण व वादे करते हैं...पर क्या उस बड़े-बड़े भाषण में बोले गए शब्दों को दोबारा याद करते हैं या फिर भूल कर कुचलने का प्रयास करते हैं...? छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात की थी इस मंत्री ने अपनी छप रही कमियों से छुपकर एक अखबार के प्रतिष्ठान को जमींदोज करा दिया। एक बार फिर उन्हें स्वतंत्रता दिवस का ध्वजारोहण का मुख्य अतिथि बनाया गया है अब वहां पर जाकर वह देश को क्या जवाब देंगे यह भी उनके मन में होना चाहिए...क्या उनके मन में इस बात का मलाल है कि उन्होंने गलत किया...या फिर वह सत्ता के घमंड में रावण बन बैठे...?

वैसे स्वास्थ्य विभाग को आज वह व्यापारिक केंद्र परिवारिक केंद्र बना रहे हैं जहां अब निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं की बोली लगने की स्थिति है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को लेकर बोली लग ही रही है। भ्रष्टतम लोग जिन्हें पूर्व की सरकार ने भ्रष्टाचार की वजह से स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से पृथक कर दिया था, उन्हे मंत्री जी पुनः जिम्मेदारी प्रदान कर रहे हैं जिससे उनके भ्रष्टाचार के अनुभवों का वह फायदा उठा सकें जैसे उदाहरण बतौर अपने ही गृह जिले के बगल के जिले में जो उनका प्रभार जिला भी है में उन्होंने पूर्व सरकार के कार्यकाल के सबसे भ्रष्ट कार्यकाल वाले व्यक्ति को स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान कर दी है वहीं अपने जिले के बगल के जिले में उन्होंने जिला चिकित्सालय में परिवार रिश्तेदार को सिविल सर्जन बना दिया है जिसके ऊपर कई आरोप भी हैं वहीं वह विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी कनिष्ठ है साथ ही केवल चिकित्सा अधिकारी है। अब यह भी पता चल रहा है की कोरिया जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का भी पद सेटिंग से नए व्यक्ति को दिया जाना तय हो चुका है जो शायद चिकित्सक भी नही है जिसे यह पद मिल सकता है।। दिला जाए तो भ्रष्टाचार के लिए हर संभव प्रयास स्वास्थ्य विभाग में जारी हैं वहीं इसको लेकर खबर बनाने वाले के लिए बुलडोजर तैयार है। हाल ही में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को नई जिम्मेदारी दिए जाने की भी बात सामने आई है जो जिम्मेदारी एनजीओ के पास थी उसे लेकर उसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को दिए जाने की बात तय हुई है और बताया जा रहा है कि यह इसलिए किया जा रहा है क्योंकि यह मंत्री जी के भतीजे का सुझाव है मंत्री जी को जो फर्जी डिग्री के आधार पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में ही संविदा अधिकारी है जो कोरोना काल में जब लोग काल-कलवित हो रहे थे तब उनके स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर अपना घर परिवार मजबूर कर रहा था और लोगों को जीवन बचाने के नाम पर मिलने वाली निःशुल्क सुविधा से अपने घर के बाल बच्चों के लिए सुविधा जुटा रहा था और अब उसी ने यह सुझाव दे डाला है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को खुला छूट दिया जाए जिससे वह भ्रष्टाचार को बढ़ा सके और फिर खुद के बाल बच्चों सहित अन्य के लिए भी संसाधन भ्रष्ट व्यवस्था से जुटा सके जो ऐसे लोगों का हक मारकर मिल सकेगा जो जरूरत मंद हैं मजबूर हैं। इतनी स्वतंत्रता ही मिली है आम लोगों को की वह देख सुन सकें और अपने हिस्से की सुविधाएं बंदरबाट होते वह देखते रहें।

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का छयालीसवां दिन

?

कलम बंद...का छयालीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 14 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आप ही तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

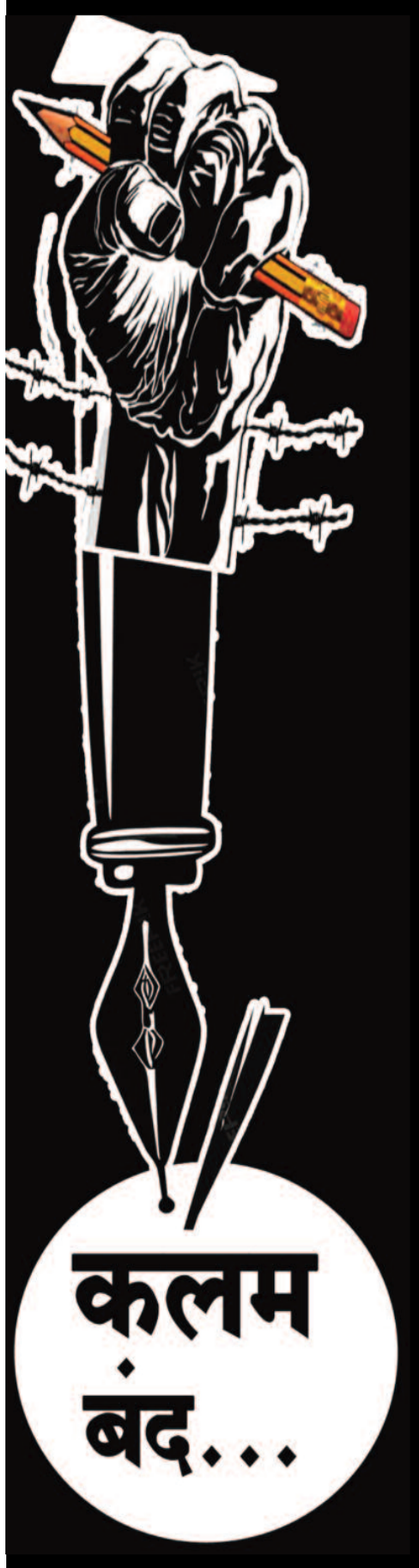

कलम बंद...का छयालीसवां दिन

कलम बंद...का छयालीसवां दिन

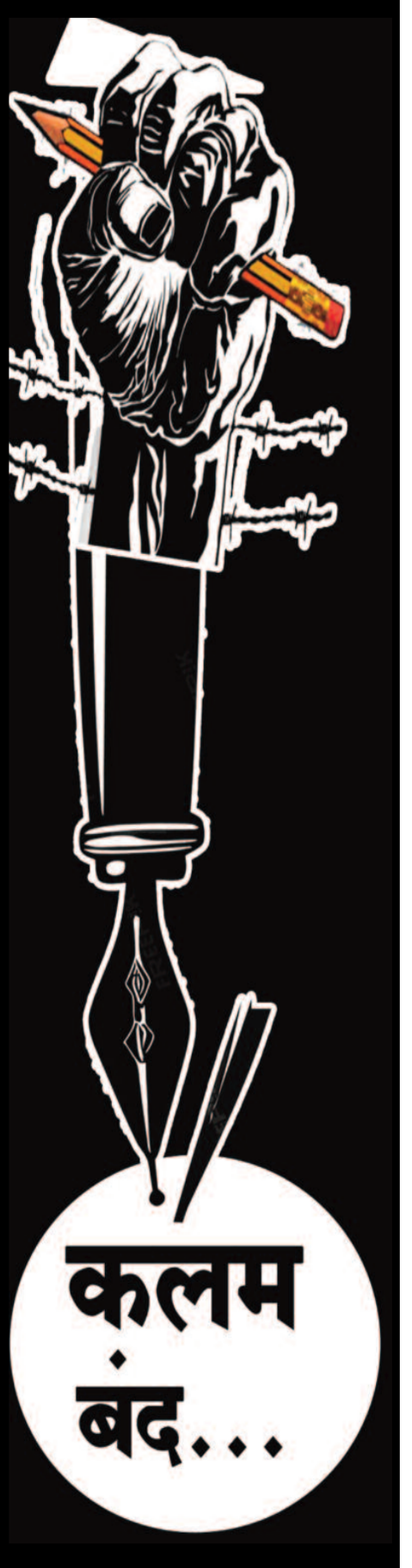

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,14 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,14 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

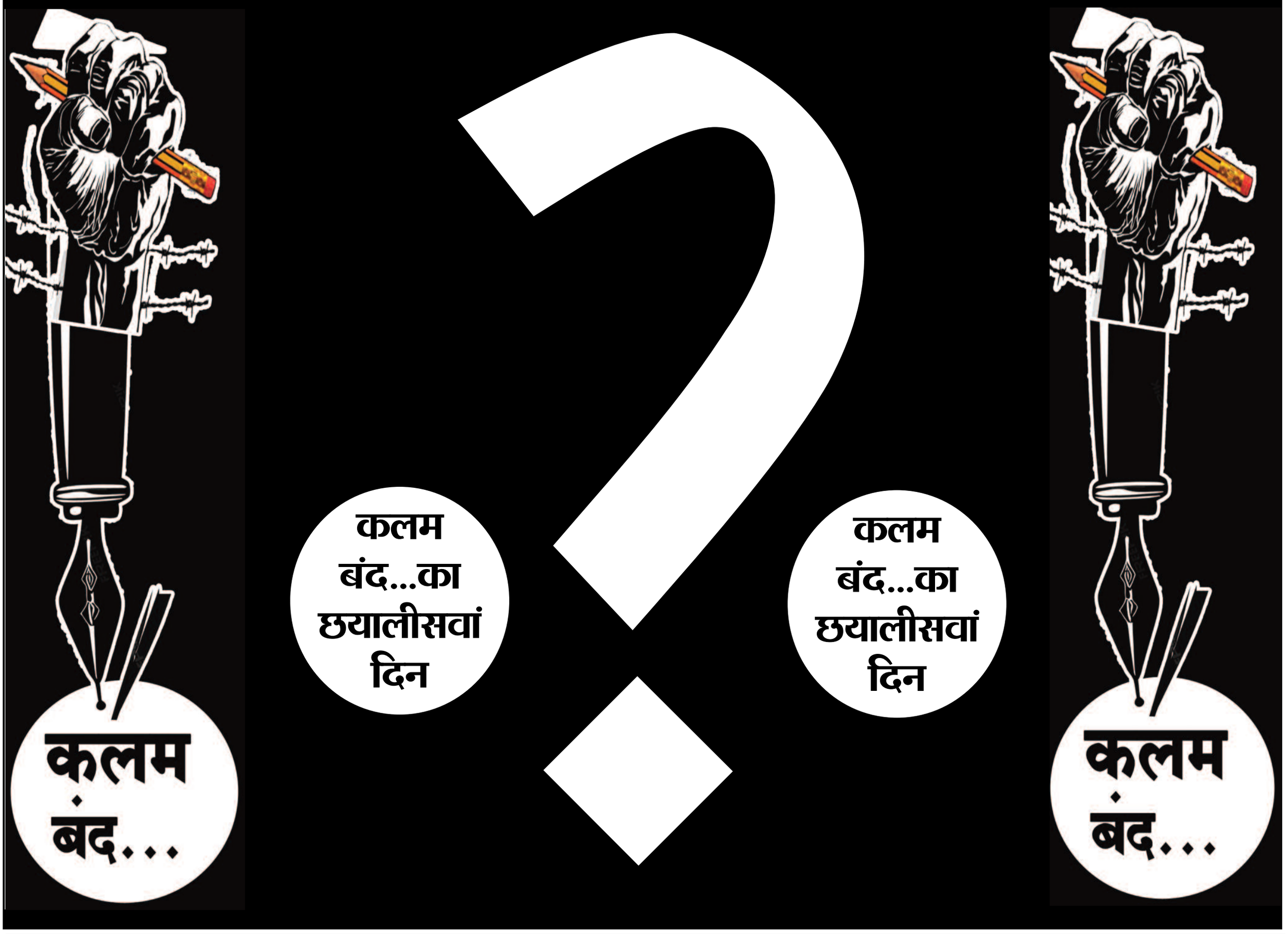

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 14 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

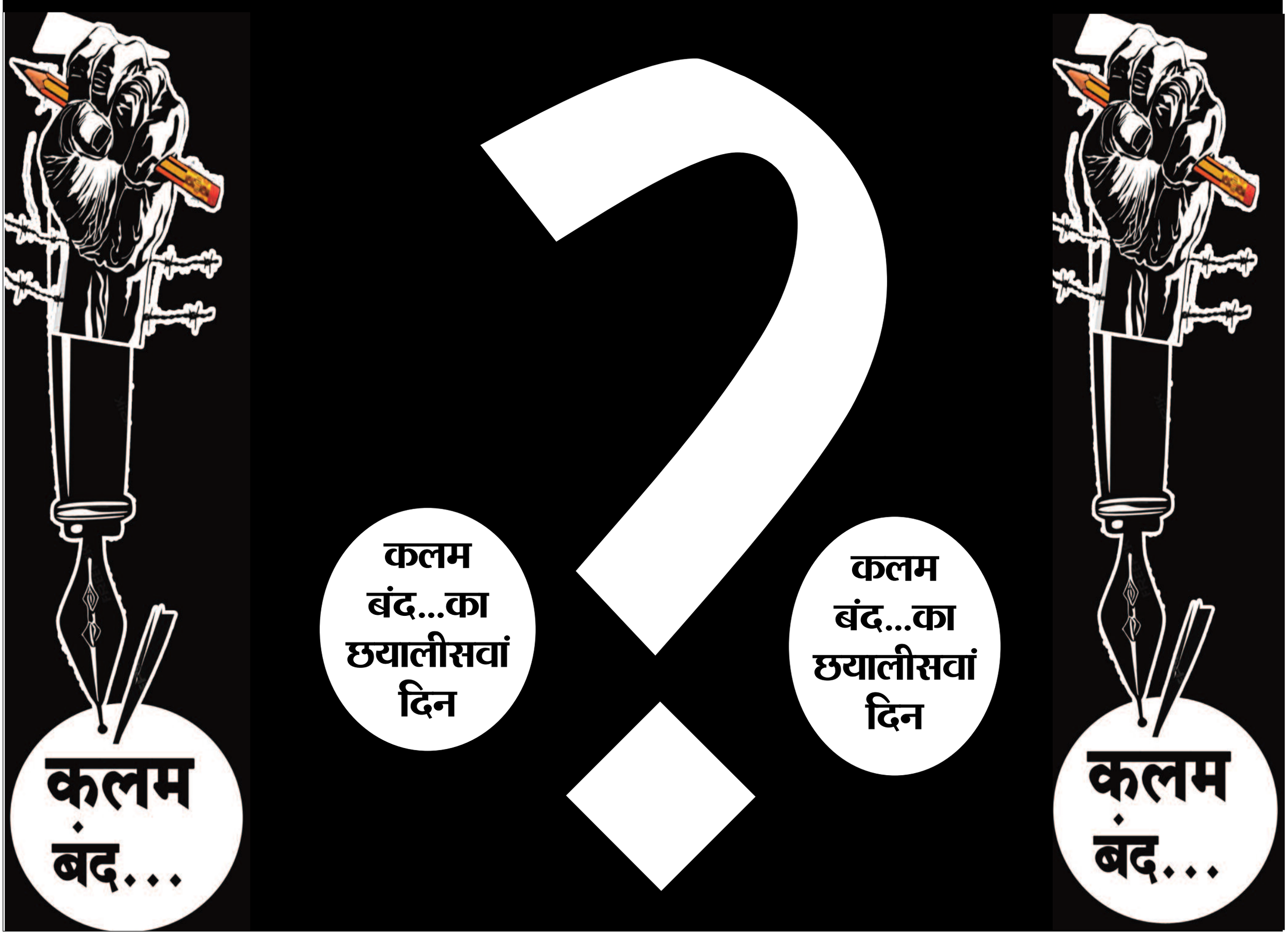

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

दलीप ट्रॉफी के लिए चार टीमों का ऐलान

» रोहित शर्मा और विराट कोहली समेत इनके नाम गायब

नई दिल्ली,14 अगस्त 2024। दलीप ट्रॉफी के नए सीजन के लिए टीमों का ऐलान कर दिया गया है। पांच सितंबर से होने वाले इस टूर्नामेंट में कुल चार टीमें हिस्सा ले रही हैं। सभी के स्क्वाड और कप्तान की घोषणा बीसीसीआई की ओर से कर दी गई है। हालांकि उम्मीद जताई जा रही थी कि रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस टूर्नामेंट में खेलेंगे, लेकिन उनका नाम किसी भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। इतना ही नहीं कुछ और भी प्लेयर्स हैं, जो लगातार टीम इंडिया के लिए तो खेल रहे हैं, लेकिन दलीप ट्रॉफी के लिए उनका नाम नहीं है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली नहीं खेलेंगे दलीप ट्रॉफी

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के बारे में चर्चा थी कि वे दलीप ट्रॉफी में खेलते हुए दिखाई देंगे। इसका कारण ये भी था कि इस वक्त भारतीय टीम की कोई भी सीरीज नहीं है। सितंबर की 19 तारीख से भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट खेला जाना है, इससे पहले ये खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी खेल सकते थे, उन्हें मैच प्रैक्टिस मिल जाती, लेकिन अब टीमों के ऐलान के बाद साफ हो गया है कि रोहित और विराट कोहली दलीप ट्रॉफी नहीं खेल रहे हैं। इनके अलावा जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, संजू सैसमन युजवेंद्र चहल, शार्दुल ठाकुर और हार्दिक पांड्या का नाम भी किसी भी स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया है।

अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा भी नहीं

इन बड़े नामों के अलावा अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा भी दलीप ट्रॉफी नहीं खेल रहे हैं, उनका नाम किसी भी स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया है। ये दोनों खिलाड़ी पिछले लंबे वक्त से केवल टेस्ट ही खेल रहे थे, लेकिन अब उन्हें लगता है कि इस फॉर्मेट में भी भुला दिया गया है। देखना होगा कि ये दोनों प्लेयर्स क्या भारत की टेस्ट टीम में फिर से वापसी कर पाते हैं कि नहीं। बीसीसीआई की ओर से ऐलान किया गया है कि जो खिलाड़ी भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज के लिए चुने जाएंगे, वे दलीप ट्रॉफी को बीच में छोड़कर जा सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी के लिए सभी चार टीमों का स्क्वायॅड

टीम एः शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, विदवथ कावेरप्पा, कुमार कुशाग्र, शास्वत रावत।

टीम बीः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत, मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन।

टीम सीः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, उमरान मलिक, विशाक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (डब्ल्यूके), संदीप वारियर।

टीम डीः श्रेयस लायर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, ईशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत (डब्ल्यूके),सौरभ कुमार।

युजवेंद्र चहल नॉर्थ हैम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट क्लब की टीम से खेलेंगे

नई दिल्ली,14 अगस्त 2024। टीम इंडिया में लगातार अनदेखी का सामना कर रहे भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने बड़ा फैसला किया है। युजवेंद्र ने इंग्लैंड जाकर काउंटी क्रिकेट खेलने का बड़ा कदम उठाया है। चहल नॉर्थ हैम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के लिए खेलते नजर आएंगे। नॉर्थम्पटनशायर ने 2024 काउंटी चैंपियनशिप और वनडे कप सीजन के बचे हुए मैचों के लिए भारतीय लेग स्पिनर के साथ करार किया है।

नॉर्थम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट क्लब चहल के टीम से जुड़ने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी युजवेंद्र चहल केंट में होने वाले अंतिम वनडे कप मैच और काउंटी चैम्पियनशिप के शेष पांच मैचों के लिए क्लब में शामिल होंगे। लेग स्पिनर बुधवार (14 अगस्त) यानी को कैंटरबरी की यात्रा से पहले टीम के साथ जुड़े और उसके बाद रेड बॉल अभियान के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। क्लब ने अपने बयान में कहा कि 34 वर्षीय चहल आईपीएल इतिहास में 200 से अधिक विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी हैं और वह काउंटी में बहुत अनुभव लेकर आए हैं और 2024 सीजन के बाद अपने नए साथियों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं।

पानी की तरह बहाया पैसा फिर भी आए सिर्फ 6 मेडल

नई दिल्ली,14 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने कुल 6 मेडल जीते,जिसमें एक भी गोल्ड नहीं था। खेल के इस महाकुंभ के लिए खिलाड़ियों ने सालों पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। अलग-अलग खेलों में एथलीट ने विश्व स्तर पर दमदार प्रदर्शन कर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था, लेकिन इसके बावजूद भारत के खाते में तोक्यो ओलंपिक से एक मेडल कम आया। ओलंपिक में इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई तरह की बाते सामने आ रही है। कई खिलाड़ियों का यह कहना है कि उन्हें सरकार के तरफ उस तरह की मदद नहीं मिली जैसी मिलनी चाहिए थी। यही कारण है कि उनकी तैयारी ओलंपिक के लेवल की नहीं हो पाई है और इसी वजह वह मेडल नहीं ला पाए। हालांकि, सरकारी रिपोर्ट की मानें तो पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए अलग-अलग खेलों पर कुल 470 करोड़ रुपए खर्च किए गए। पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ समेत कुल 200 सदस्य शामिल थे। इसके अलावा कुल 16 खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने भाग लिया, लेकिन इसके बावजूद सिर्फ 6 मेडल ही मिल पाया। स्पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जो रिपोर्ट पेश की है उसमें सबसे ज्यादा पैसा एथलेटिक्स पर खर्च किया गया है, जबकि सबसे कम इक्वेस्ट्रियन पर खर्च हुआ है। जिस खेल में सबसे ज्यादा पैसे खर्च हुए उसमें सिर्फ एक नीरज चोपड़ा ही मेडल जीत पाए। इसके अलावा और किसी भी एथलीट को सफलता नहीं मिल पाई। सरकार की तरफ से सबसे ज्यादा फंड 96.08 करोड़ एथलेटिक्स को दिया गया। इसके बाद दूसरे स्थान पर बैडमिंटन है। बैडमिंटन के लिए सरकार की तरफ से 72.03 करोड़ की फंडिंग हुई। इसके बाद बॉक्सिंग को 60.93 करोड़ मिले। शूटिंग के लिए सरकार ने 60.42 करोड़ रुपए दिए।

मोर्ने मोर्कल टीम इंडिया के बॉलिंग कोच बने

1 सितंबर को जॉइन करेंगे

मुंबई,14 अगस्त 2024। 39 साल के पूर्व साउथ अफ्रीकी गेंदबाज मोर्ने मोर्कल भारतीय क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच बनाए गए हैं। वे 1 सितंबर को टीम के साथ जुड़ेंगे। बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने यह जानकारी दी।

मोर्कल पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच रह चुके हैं। हेड कोच गौतम गंभीर ने मोर्कल को बॉलिंग कोच बनाने की मांग की थी। दोनों आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए साथ में काम कर चुके हैं। मोर्कल पूर्व भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे की जगह लेंगे। म्हाम्ब्रे का कार्यकाल पहले ही समाप्त हो चुका था, लेकिन मोर्कल निजी कारणों से श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया से नहीं जुड़ पाए। ऐसे में आईसीसी ने साईराज बहुतुले को बतौर बॉलिंग कोच भेजा था। अब मोर्ने मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। 19 सितंबर से शुरू हो रही यह सीरीज मोर्कल का पहला असाइनमेंट होगा। इसमें 2 टेस्ट और 3 टी-20 मैच खेले जाएंगे। पहला टेस्ट चेन्नई में खेला जाएगा।

डोडा गणेश बने केन्या के कोच

» टी 20 डब्ल्यूसी से पहले मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली,14 अगस्त 2024। भारत के पूर्व ऑलराउंडर डोडा गणेश को केन्या क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। 2026 टी 20 विश्व कप के अफ्रीका क्वालीफायर से पहले केन्या की टीम ने इस पूर्व भारतीय टीम को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। भारत के लिए चार टेस्ट और एक वनडे मैच खेलने वाले 51 साल के गणेश ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कर्नाटक के लिए 2000 से अधिक रन बनाए और 365 विकेट लिए। उनके सामने कीनियाई क्रिकेट के उन गौरवशाली दिनों को वापस लाने की कठिन चुनौती है जब टीम ने 1996 और 2011 के बीच पांच विश्व कप में भाग लिया।इंटरनेशनस क्रिकेट काउंसिल के इस एसोसिएट सदस्य देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2003 में रहा था जब वे संदीप पाटिल के रूप में एक भारतीय मुख्य कोच की मौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका में हुए वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। केन्या ने टी 20 विश्व कप के सिर्फ एक टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है जो 2007 में हुआ था। तब से कीनियाई क्रिकेट का ग्राफ लगातार गिरता चला गया।

2026 टी 20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में होगा

सितंबर में आईसीसी डिविजन दो चैलेंज लीग में वे पापुआ न्यू गिनी, कतर, डेनमार्क और जर्सी से भिड़ेंगे और अक्टूबर में टी 20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर खेलेंगे। पुरुषों का 2026 टी 20 विश्व कप भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। गणेश ने कहा कि वह नई भूमिका के लिए उत्सुक हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, केन्या क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया जाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मीडिया द्वारा यहां साझा किए गए एक वीडियो में गणेश को केन्या क्रिकेट के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है। केन्या के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लामेक ओनयांगो और जोसेफ अंगारा गणेश के सहायक कोच होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान को लेना पड़ गया ये फैसला

इस सीरीज में किया फैंस का खेल खराब

रावलपिंडी,14 अगस्त 2024। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 21 अगस्त से खेली जानी है। पहला मुकाबला रावलपिंडी में और दूसरा मैच कराची में खेला जाएगा। लेकिन अब बड़ी खबर सामने आई है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच बिना दर्शकों के कराया जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को ये फैसला चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए लेना पड़ा है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान की धरती पर होना है और इसके लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शेड्यूल पहले ही आईसीसी को भेज दिया है।

साउथ अफ्रीका ने टी 20 सीरीज के लिए घोषित की 15 सदस्यों की टीम

» इन स्टार प्लेयर्स को नहीं मिली जगह

हैम्पटन,14 अगस्त 2024। साउथ अफ्रीका की टीम अभी वेस्टइंडीज के दौरे पर है जहां पर वह मेजबान टीम के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। इसके बाद उन्हें 23 अगस्त से तीन मैचों की टी 20 सीरीज भी खेलनी है। इसको लेकर क्रिकेट साउथ अफ्रीका की तरफ से 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया गया है, जिसमें कप्तानी की जिम्मेदारी जहां एडन मार्क्रम संभालते हुए नजर आएंगे तो वहीं टीम में कुछ अहम खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए जगह नहीं मिली है। अफ्रीकी टीम में पहली बार क्रेन मफाका को भी जगह मिली है जो आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा थे।

कई खिलाड़ियों के चयन पर नहीं किया गया विचार

वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम का ऐलान करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम के चयन समिति के सदस्य वॉल्टर ने कहा कि कई खिलाड़ियों के चयन को लेकर विचार नहीं किया गया जिसके पीछे या तो उनका चोटिल होना एक कारण था या फिर हमने उनके वर्कलोड को मैनेज करने के लिए ये फैसला लिया। इसके अलावा कुछ खिलाड़ी टी20 लीग में खेलने में व्यस्त हैं। इस सीरीज से हमें अपने खिलाड़ियों के पूल को बढ़ाने का भी मौका मिलेगा जिसमें अनुभवी प्लेयर्स भी शामिल हैं। बता दें कि वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली इस सीरीज में 4 बड़े नाम जो साउथ अफ्रीकी टीम से नदारद हैं उसमें क्विंटन डी कॉक, एनरिक नॉर्खिया, तबरेज शम्सी और कगिसो रबाडा का नाम शामिल है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी 20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीकी टीमः

एडन मार्क्रम (कप्तान), रीजा हेंड्रिक्स, रेयान रिक्लटन, ओटनिल बार्टमैन, पैट्रक क्रुगर, जेसन स्मिथ, नांद्रे बर्गर, क्रेन मफाका, ट्रिस्टन स्टब्स, ड्वेनन फरेरिया, वियान मुल्डर, रीजा वेन डर डुसेन, ब्रेजोन फार्चुंग्न, लुंगी एन्गीडी, लिजाद विलियमस।

साउथ अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज के बीच टी 20 सीरीज का शेड्यूल

पहला टी 20 मैच - 23 अगस्त (त्रिनिडाड)

दूसरा टी 20 मैच - 25 अगस्त (त्रिनिडाड)

तीसरा टी 20 मैच - 27 अगस्त (त्रिनिडाड)

पीआर श्रीजेश के सम्मान में हॉकी इंडिया का लिया बड़ा फैसला

जर्सी नबंर-16 को कर दिया रिटायर

नई दिल्ली,14 अगस्त 2024। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कमाल का प्रदर्शन किया था। टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। इससे पहले टोक्यो में भी टीम ने नंबर पर फिनिश करते हुए कांस्य पदक नाम किया था। लगातार दो ओलंपिक मेडल के बाद हर भारतवासी का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है और हर भारतीय इस खेल को खुद से जुड़ा हुआ मानता है। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश ने रिटायरमेंट ले लिया था। अब हॉकी टीम ने बड़ा फैसला लेते हुए पीआर श्रीजेश की 16 नंबर जर्सी को रिटायर करने का फैसला किया है।

महादेव बन जीता था दर्शकों का दिल

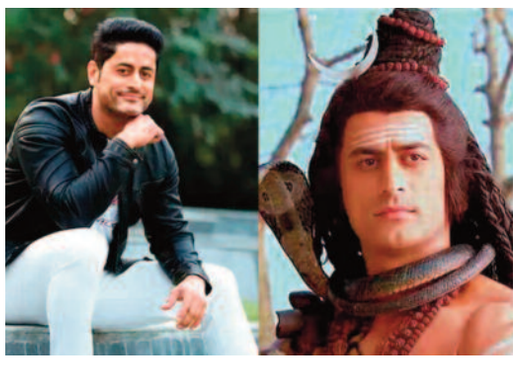

मोहित रैना 14 अगस्त को अपना 42 वां जन्मदिन मनाए। भगवान शिव के किरदार से लाखों दिलों पर राज करने वाले अभिनेता मोहित रैना आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। जम्मू में जन्मे और पले-बढ़े मोहित ने कई किरदारों के साथ हिंदी टेलीविजन इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है, लेकिन पॉपुलैरिटी देवों के देव - महादेव में महादेव के किरदार से मिली। दिलचस्प बात यह है कि अपने 21 साल के करियर में मोहित ने टेलीविजन, फिल्म और वेब सीरीज में बहुत ही शानदार काम किया है। उन्होंने 2004 में टीवी शो अंतरिक्ष से इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। 2008 में, उन्होंने कॉमेडी ड्रामा डॉन मुथु स्वामी में जय किशन की भूमिका निभाई। हालांकि, मोहित के करियर की किसमत तब चमक गई जब उन्हें देवों के देव - महादेव टीवी के धार्मिक शो में काम मिला और उन्होंने ने महादेव का रोल प्ले कर दर्शकों के दिलों में एक अलग जगह बना ली। वहीं टीवी शोज के बाद अब मोहित रैना ओटीटी और बॉलीवुड फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीत रहे हैं। उन्होंने दीया मिर्जा के साथ जीश्5 पर रिलीज हुई वेब सीरीज काफिर के साथ अपना वेब डेब्यू किया। मोहित रैना ने 2008 की कॉमेडी फिल्म डॉन मुथु स्वामी से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। बाद में उन्हें ब्लॉकबस्टर फिल्म उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक में विक्की कौशल के साथ देखा गया, जिस के लिए दर्शकों ने उनकी खूब तारीफ की थी। मोहित रैना ओटीटी पर शिद्दत और मिसेज सीरियल किलर जैसे कई बेहतरीन प्रोजेक्ट्स में भी दिखाई दे चुके हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो मोहित रैना को आखिरी बार द फ्रीलांसर में देखा गया था जो 2023 में ओटीटी पर रिलीज हुई थी। वहीं उनके साथ बॉलीवुड के सीनियर एक्टर अनुपम खेर भी स्क्रीन शेयर करते दिखाई दिए थे। इस सीरीज में मोहित रैना के किरदार और काम को खूब पसंद किया गया था। बता दें कि जनवरी 2022 को रैना ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड अदिति शर्मा से शादी कर ली।

4 साल की उम्र में शुरू किया गाना सुनिधि चौहान ने

म्यूजिक इंडस्ट्री की पॉपुलर प्लेबैक सिंगर सुनिधि चौहान आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। वह आज, 14 अगस्त को अपना 41वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं। बॉलीवुड की टॉप सिंगर्स में शुमार सुनिधि ने बहुत कम उम्र में म्यूजिक इंडस्ट्री में नेम फेम कमा लिया है। आज वह जिस मुकाम पर वह सच में काबिले तारीफ हैं। सुनिधि चौहान ने 4 साल की उम्र से ही गाना शुरू कर दिया था। वह घर के हर छोटे-बड़े कार्यक्रम में गाना गाया करती थीं। इतना ही नहीं महज 12 साल की उम्र में उन्होंने बॉलीवुड फिल्म शस्त्र में अपना पहला गाना गाया था, जिसके बाद वह लोगों के बीच चर्चा में आ गई।

सुनिधि चौहान को एक रियलिटी शो ने रातों रात स्टार बना दिया, लेकिन वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा तो पर्सनल लाइफ को लेकर खूब लाइमलाइट में रही हैं। सुनिधि चौहान की आवाज का जादू न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में है। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। वह आज संगीत की दुनिया का जाना-माना नाम हैं, जिनका हर गाना रिलीज होते ही सुपरहिट की लिस्ट में शामिल हो जाता है।

इस गाने से चमकी सुनिधि चौहान की किस्मत

सुनिधि चौहान ने महज 18 साल की उम्र में बॉबी खान के साथ शादी कर ली थी, लेकिन एक साल के अंदर ही दोनों का तलाक हो गया। वहीं साल 2012 में उन्होंने म्यूजिक कंपोजर हितेन सोनिक संग दूसरी शादी की और 2018 में एक बच्चे की मां बनी। सुनिधि चौहान ने इतने हिट गाने दिया है, जिसके बाद से वह अब कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है। उनका पहला हिट गाना हुई हुई मैं मस्त आज भी सुन लोग झूम उठाते हैं। इस गाने से वो म्यूजिक इंडस्ट्री स्टार सिंगर बन गईं। ये बात खुद सुनिधि चौहान ने एक कॉन्सर्ट के दौरान बताया था ये पहला हिट और उनका फेवरेट गाना है।

सुनिधि चौहान के हिट गाने

शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा स्टारर फिल्म रब ने बना दी जोड़ी का गाना डांस पे चांस हिट लिस्ट में शामिल है। आज भी इस गाने को सुन लोग झूमने लगते हैं। शीला की जवानी, कमली, इंजन की सीटी और छान के मोहल्ला जैसे गाने आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I Sanjeev Gupta. Son of late Bhagwat Prasad Gupta, resident of Ward No. 13,near Ram Mandir Main Road, Surajpur, Chhattisgarh 497229, Swear that I have given up my old name and have taken a new name Sanjeev Kumar Gupta,Son of late Bhagwat Prasad Gupta. Hence,from today onwards, I Should be know by my new name Sanjeev Kumar Gupta,Son of Bhagwat Prasad Gupta in all government,semi-government and other documents.

Sanjeev Kumar Gupta,
Ward No.13,
near Ram Mandir Main Road,Surajpur,Chhattisgarh 497229

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)